अंक 53

मई - जून
2026

बालमन

धीरज के साथ

सामान्य ज्ञान और पहेली
कार्टून और चुटकुले

ज्ञानवर्धक जानकारी
और रोचक तथ्य
कविता, कहानी और बहुत कुछ

नन्हें हाथों की कलाकारी

पेंटिंग्स और हस्त निर्मित सामग्री

निःशुल्क
पढ़ने के लिए
स्कैन करें।

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

तापमान बढ़ने से गर्मी बहुत बढ़ गई है और आपका विद्यालय प्रातःकालीन सत्र में संचालित हो रहे है और भीषण गर्मी और लू के कारण विद्यालय बंद भी होंगे। इन सबके बीच आप सभी को अपना और अपने परिवार के लोगों का विशेष ध्यान रखेंगे। गर्मियों की छुट्टियों का आनन्द लेते हुए आप अपने अनुभव को भी हमसे साझा कर सकते हैं।गर्मी में अनावश्यक धूप में बाहर नहीं निकलेंगे और पशु - पक्षियों का ध्यान रखेंगे। मई ओर जून महीना बहुत सारे खास लोगों के जन्मदिन और दिवस विशेष के बीच अपनी एक अलग ही पहचान बनाता है,ठीक वैसे ही जैसे आप सभी बच्चे अपनी प्रतिभ से बालमन को खास बनाते हैं। बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का भी बहुत सम्मान करती है।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
राजकीय शिक्षक सम्मान (वर्ष 2022)
से सम्मानित शिक्षक(बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, नव. प्रा. वि. हरनाटॉड, भभुआ कैमूर(बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा [रेलगाड़ी बालमन एक्सप्रेस, प्रधान संपादक,उत्तर प्रदेश]
2. दीपिका श्रीवास्तव (छत्तीसगढ़)
3. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)
4. निकिता चौधरी (गुजरात)
5.. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)

राज्य समन्वयक समिति

1.कुमार राकेश मणि, मध्य वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2.रवि शर्मा,प्रा वि पकड़ी अनु.जाति टोला रामनगर(पश्चिम चंपारण)

अन्य सहयोगी सदस्य

1. पुष्पा प्रसाद, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)
2. राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)
3. कुमारी कान्ति, मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर,बोचहा(मुजफ्फरपुर)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार	01
2. प्रेरक प्रसंग	02
3. सबसे अलग हूं मैं	03
4. स्वास्थ्य सुझाव	05
5.चित्र से कहानी	08
6. नन्हें कलाकार	10
7.रास्ता खोजें	14
8. आपकी पेंटिंग	15
9. हिन्दी कोना	16
10. हंसी के हंसगुल्ले	19
11. रोचक जानकारी	20
12. पेन पेंसिल आर्ट	21
13.ब्लैक बोर्ड आर्ट	24
14. बालमन कविता	25
15.अमृत फल बेल	26
16.एक नज़र इधर भी	27
17.कहना जरूरी हैं	28
18.क्विज टाइम	31
19.बूझो तो जानें	32
20. बोलती तस्वीर	34
21.चेतना सत्र	35
22.मास्टरसाहेब कहीन	37
23.बालमन कहानी	42

बालमन

अनमोल विचार

"यदि आप अपने जीवन से सूरज के चले जाने के कारण रोते हैं, तो आपके आंसू आपको तारे देखने से रोकेंगे"।

जन्म: 07 मई, 1861
मृत्यु : 07 अगस्त, 1941

– रवींद्रनाथ टैगोर

पद्य पंकज

जग-जीवन में जो चिर महान, सौंदर्य-पूर्ण औ सत्य-प्राण,
मैं उसका प्रेमी बनूँ, नाथ! जिसमें मानव-हित हो समान !

20 मई 1900 – 28 दिसंबर 1977

– सुमित्रानंदन पंत

हिन्दी साहित्य में 'छायावादी युग' के लेखक

योग से रहेंगे निरोग

भद्रासन

भद्रासन (जिसे शुभ मुद्रा या तितली मुद्रा भी कहा जाता है) एक मूलभूत योग आसन है जिसमें व्यक्ति को पैरों के तलवों को आपस में दबाकर सीधा बैठना होता है। इसका व्यापक रूप से अभ्यास मन को स्थिर करने, श्रोणि की लचीलता में सुधार करने और शरीर को लंबे समय तक ध्यान के लिए तैयार करने के लिए किया जाता है।

बालमन

प्रेरक प्रसंग

ईमानदारी का पर्स

एक छोटे से गांव में मोहन नाम का एक गरीब लड़का रहता था। उसके पिता मजदूरी करते थे और घर की हालत बहुत साधारण थी। मोहन रोज सुबह स्कूल जाता और शाम को अपने पिता की मदद करता।

एक दिन स्कूल से लौटते समय उसे रास्ते में एक चमड़े का पर्स मिला। उसने उसे उठाकर देखा तो उसमें काफी पैसे और कुछ जरूरी कागजात थे।

मोहन के मन में एक पल के लिए विचार आया कि इन पैसों से वह अपने घर की कई जरूरतें पूरी कर सकता है। लेकिन अगले ही क्षण उसकी अंतरात्मा ने कहा — "यह तुम्हारा नहीं है।"

वह तुरंत गांव के सरपंच के पास गया और पूरा पर्स उन्हें सौंप दिया। सरपंच ने पर्स खोलकर देखा और बोले, "बेटा, इसमें तो बहुत पैसे हैं, तुम चाहो तो कुछ रख सकते हो।"

मोहन ने सिर झुकाकर कहा, "नहीं सरपंच जी, जो मेरा नहीं है उसे रखना गलत है।"

इसी बीच एक बुजुर्ग व्यक्ति घबराए हुए सरपंच के पास पहुंचे। वे अपना खोया हुआ पर्स ढूंढ रहे थे। जब सरपंच ने उन्हें पर्स दिखाया तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए।

उन्होंने मोहन को गले लगाया और बोले, "बेटा, तुमने मेरी जिंदगी की मेहनत बचा ली।"

बुजुर्ग ने इनाम के रूप में कुछ पैसे देने चाहे, लेकिन मोहन ने विनम्रता से मना कर दिया।

यह बात पूरे गांव में फैल गई। अगले दिन स्कूल में भी मोहन की ईमानदारी की चर्चा हुई। प्रधानाचार्य ने उसे मंच पर बुलाकर सम्मानित किया।

कुछ समय बाद उसी बुजुर्ग व्यक्ति ने मोहन की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का निर्णय लिया।

मोहन ने पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई की और आगे चलकर वह एक बड़ा अधिकारी बन गया। उसने अपने जीवन में हमेशा ईमानदारी को सबसे ऊपर रखा और जरूरतमंद लोगों की मदद करना कभी नहीं छोड़ा।

आज भी लोग उसकी कहानी सुनाकर बच्चों को सच्चाई और ईमानदारी का महत्व समझाते हैं।

- रजनीश कुमार पाठक
कन्या उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिछियाँ दुर्गावती (कैमूर)

बालमन

अन्तर खोजें

20 सेकेंड में पांच अन्तर खोजें और जीनियस बन जाओ

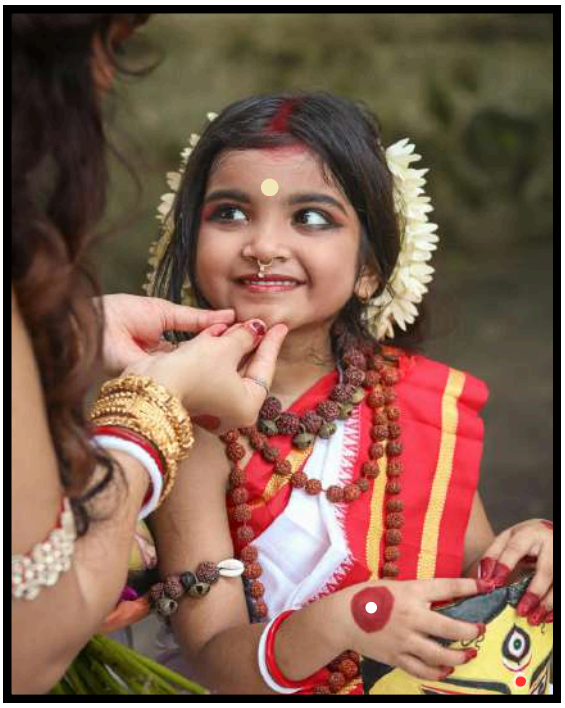

चित्र 1

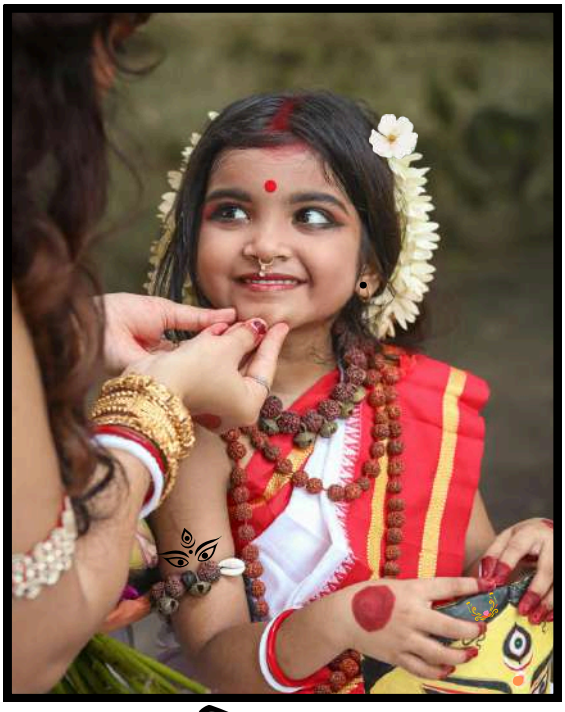

चित्र 2

आप अपने उत्तर हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं ।

सबसे अलग हूं मैं...

कुमारी कान्ति (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा
मुजफ्फरपुर(बिहार)

दिए गए चारों आकृतियों में से सबसे अलग आकृति को पहचाने और घेरा लगाएं

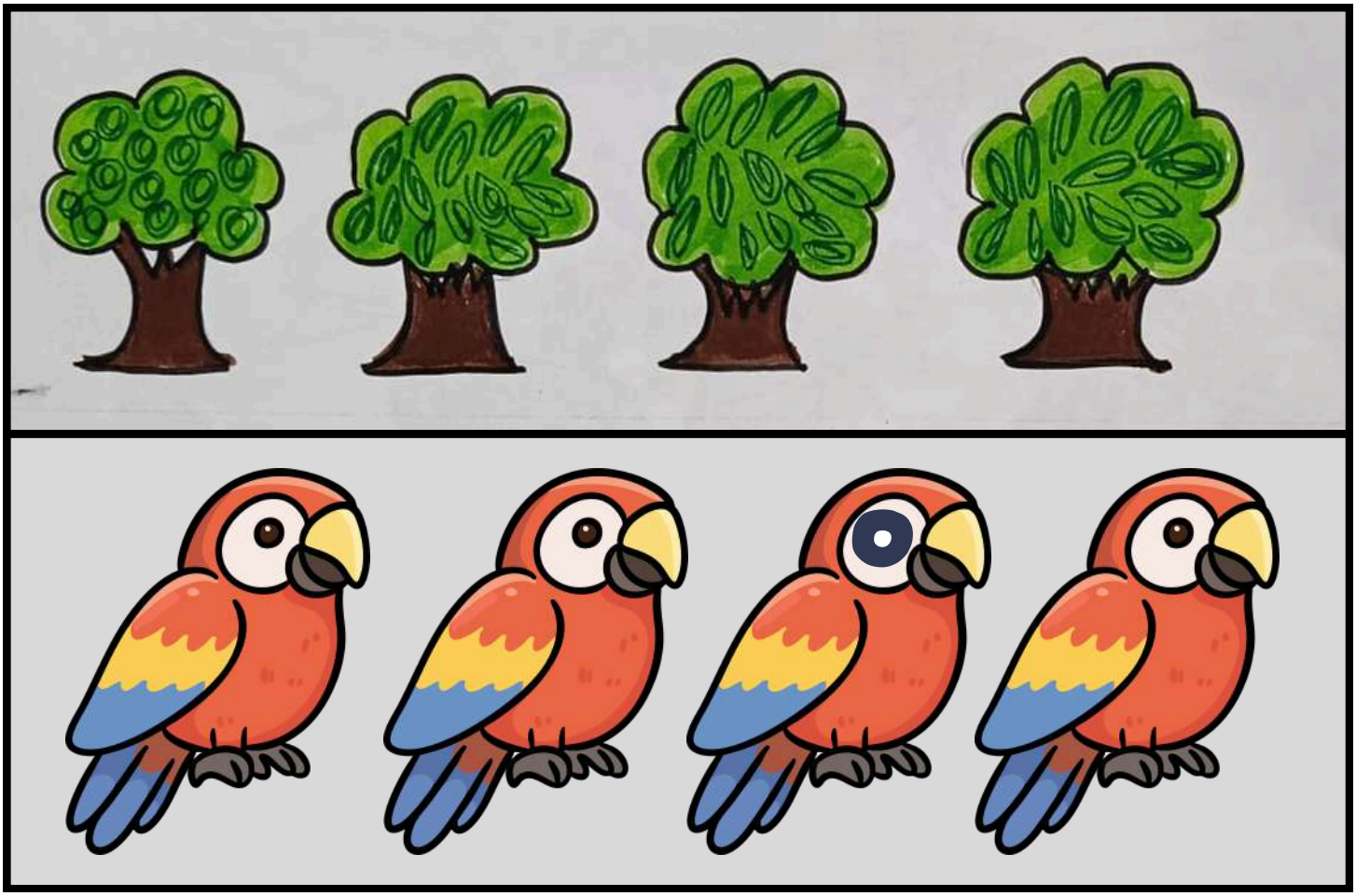

आइए अपना ज्ञान बढ़ाए

गर्मी में लू क्यों चलता है ?

गर्मी में 'लू' (Heat Wave) का चलना एक प्राकृतिक मौसम संबंधी प्रक्रिया है, जो मुख्य रूप से चिलचिलाती धूप, शुष्क हवाओं और उच्च तापमान के कारण होती है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में नमी की कमी और समुद्र से दूरी के कारण हवाएं गर्म हो जाती हैं।जब गर्म हवाएं वायुमंडल में फंस जाती हैं, तो वे नीचे की ओर दबती हैं और गर्मी बढ़ाती हैं, जिससे गर्म हवाएं चलती हैं जिसे लू कहते हैअलग-अलग राज्यों में इसे अन्य नाम से भी स्थानीय लोग संबोधित करते है।।मई-जून में तापमान बहुत अधिक हो जाता है, जिससे हवा गर्म और शुष्क हो जाती है।

बालमन डॉट्स मिलाओ चित्र पूरा बनाओ

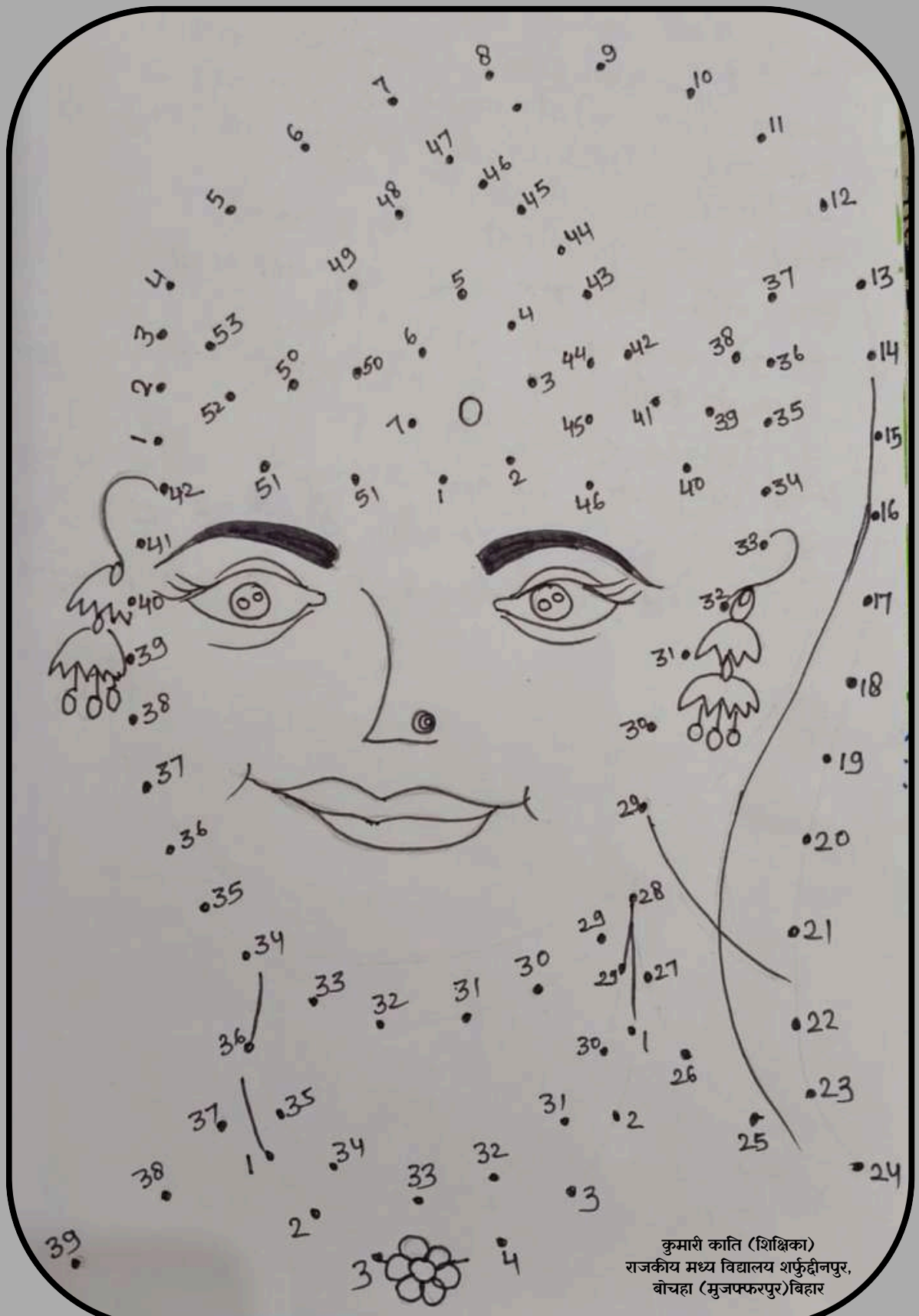

कुमारी काति (शिक्षिका)
राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर,
बोचहा (मुजफ्फरपुर)बिहार

सभी नंबर को जोड़ते हुए बनी आकृति की रंग कर आप हमें 9431680675 पर भेज सकते है।

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

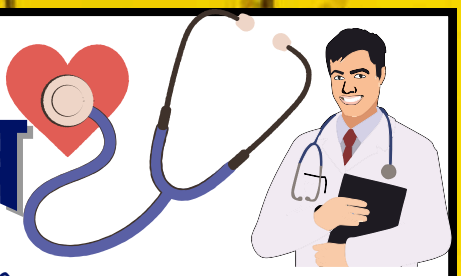

Health is wealth

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

(पानी की कमी न होने दें): प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पानी पिएं। इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने के लिए ओआरएस (ORS), नींबू पानी, लस्सी, छाछ या नारियल पानी पिएं।

CYBER मंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA): पासवर्ड के अलावा, ओटीपी (OTP) या बायोमेट्रिक जैसे सुरक्षा की दूसरी परत जरूर लगाएं

OLD IS GOLD

विनम्र श्रद्धांजलि

चलते - चलते

गोपाल जी त्रिवेदी

गोपाल जी त्रिवेदी (Gopal Ji Trivedi): भागलपुर ज़िले के प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नवप्रवर्तक (Innovator) रहे है। केले के तने और कचरे से बिजली बनाने जैसी कम लागत वाली और टिकाऊ तकनीकों के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।12 मई 2026 को मृत्यु के उपरान्त पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

फोटो साभार: प्रभात खबर

नैतिक बाते

पीहू और धीरू के साथ

गर्मी में बीमारियों से बचने के लिए बासी खाना खाने से बचे। साफ-स्वच्छ कपड़े पहनना, नियमित स्नान करना और स्वच्छ पानी पीने की आदत डाले।शरीर में पानी की कमी न होने दे साथ ही धूप में जाने से बचे।

बिजली की भारी खपत के कारण बिजली की कटौती होती है। अनावश्यक लाइट,बिजली उपकरण, पंखे, कुलर या एसी बंद करके बिजली बचाएं ताकि दूसरे लोग भी इसका लाभ उठा सकें।

बालमन रोचक तथ्य

राकेश कुमार
मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

बालमन शिक्षा शब्दकोश

CAMAL
(Combined Activities for Maximized Learning)

बिहार शिक्षा विभाग 1 जून से 30 जून 2026 तक पूरे राज्य में "CAMaL का कैंप 2026" आयोजित कर रहा है। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से चलने वाले इस CAMaL का पूरा नाम Combined Activities for Maximized Learning है। यह सरकारी स्कूलों के कक्षा 5 और कक्षा 6 के उन बच्चों के लिए एक कम्युनिटी समर कैंप है, जिन्हें बुनियादी पढ़ाई में मदद की जरूरत है।

विज्ञान कॉर्नर — मानव नेत्र

नेत्र मानव शरीर का महत्वपूर्ण अंग है जो वस्तुओं को देखने की अनुभति प्रदान करता हैं।

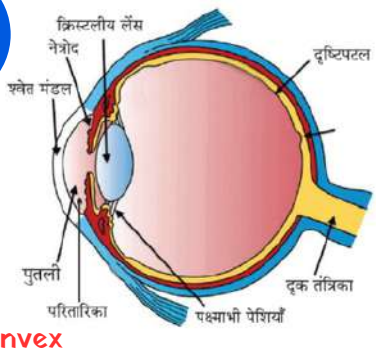

★ **नेत्र का वजन:** औसतन 7.5 से 8 ग्राम के बीच होता है। यह वजन उम्र और लिंग के अनुसार थोड़ा भिन्न हो सकता है।

★ **नेत्र में हड्डियों की संख्या:** मानव नेत्र में कुल 6 हड्डियाँ होती हैं। इन 6 हड्डियों में से 3 हड्डियाँ प्रत्येक आँख को सहारा देने और सुरक्षित रखने का कार्य करती हैं।

★ **नेत्र में लेंस :** मानव नेत्र (Human Eye) में एक प्राकृतिक उत्तल लेंस (Convex Lens) पाया जाता है।यह पारदर्शी, लचीला और प्रोटीन से बना होता है जो पुतली (Iris) के ठीक पीछे स्थित होता है।

★ **नेत्र के प्रमुख भाग:** नेत्र के प्रमुख अंगों में कॉर्निया, आइरिस, पुतली, लेंस, रेटिना और ऑप्टिक तंत्रिका शामिल हैं, जो मिलकर प्रकाश को नियंत्रित करते हैं और मस्तिष्क तक दृष्टि संकेत भेजते हैं।

बालमन

चित्र देखे कहानी बनाएं

कुमारी कान्ति (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा
मुजफ्फरपुर(बिहार)

आप अपनी कहानी हमे 9431680675 पर भेज सकते है।

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

शारीरिक शिक्षा

ये है वॉक करने का सही तरीका

बालमन

भाग-1

नन्हें कलाकार

राजकीय मध्य विद्यालय
शर्फुद्दीनपुर,बोचहा ,मुजफ्फरपुर

UMS फुलवरिया घंघटी चकिया,
पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय सिमराहा
फ़ारबिसगंज, अररिया

प्राथमिक विद्यालय नावानगर,
कोचस, रोहतास

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

पीएम श्री मध्य विद्यालय
शिवगंज, डेहरी,रोहतास

UMS चकला अररिया

प्रा वि मिर्धाचक,आदिवासी
टोला,कहलगांव भागलपुर

प्रा वि प्रखण्ड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

मध्य विद्यालय बेलागोपी
,गायघाट ,मुजफ्फरपुर

NPS साह टोला
बांध के पासि,चकिया

प्रा वि प्रखण्ड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

उ म वि असलान
रामपुर गड़हनी भोजपुर

Teachers Of Bihar

बालमन

LEARN AS YOU GROW

आओं सीखें

सहयोग

किसी कार्य को पूरा करने के लिए सहायता या समर्थन देना।इसमें मदद करने पर अधिक ज़ोर होता है।व्यक्ति पर्दे के पीछे रहकर भी सहयोग कर सकता है।

सहयोग: शिक्षक ने कार्यक्रम के आयोजन में छात्रों का सहयोग लिया।

VS

सहभागिता

किसी कार्य, कार्यक्रम या निर्णय में स्वयं सक्रिय रूप से शामिल होना। इसमें स्वयं भाग लेने पर अधिक ज़ोर होता है।व्यक्ति को सीधे उस कार्य का हिस्सा बनना पड़ता है।

सहभागिता: सभी छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

संक्षेप में :-

- सहयोग = मदद करना।
- सहभागिता = स्वयं भाग लेना

याद रखने का आसान सूत्र:

"सहयोग में हाथ बँटाया जाता है, जबकि सहभागिता में स्वयं कदम बढ़ाया जाता है।"

www.teachersofbihar.org

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग-2

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय धनुषी,
केवटी, दरभंगा

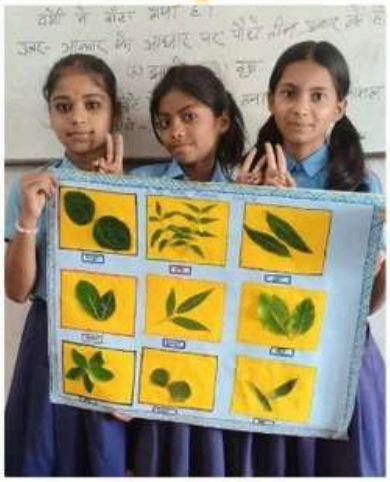

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
टोनापत्थर, चांदन, बांका

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट, गोपालगंज

मध्य विद्यालय सिमराहा,
फारबिसगंज, अररिया

राजकीय प्राथमिक विद्यालय
मरिचहवा, बढ़ई टोला

Ramodadi primary school
Petlad ji.Anad , gujrat

राजकीय मध्य विद्यालय
शर्फुद्दीनपुर, बोचहा
मुजफ्फरपुर

NPS बलरा दुसाध टोला
बरौली,गोपालगंज

बालमन जीव-जगत

मधुमक्खी

मधुमक्खी अत्यंत ही उपयोगी जीव है। हजारों वर्षों से हम इनसे शहद और मोम प्राप्त कर रहे हैं।

मधुमक्खियों के प्रकार-

तीन तरह की मधुमक्खियां पाई जाती है।

(1) रानी मधुमक्खी

(2) मादा श्रमिक मधुमक्खी

(3) नर मधुमक्खी

(1) रानी मधुमक्खी- यह मधुमक्खी सबसे बड़े आकार की होती है। रानी मधुमक्खी ही एकमात्र अंडे देने वाली मधुमक्खी होती है। इसके द्वारा छत्ते की सभी मादा श्रमिक एवं नर मधुमक्खियों का जन्म होता है।

(2) मादा श्रमिक मधुमक्खी- मादा श्रमिक मधुमक्खियां छत्तों का निर्माण करती है। फूलों से रस चूस कर लाती है। ये सबसे छोटे आकार वाली मधुमक्खियां होती है।

(3) नर मधुमक्खी- नर मधुमक्खी संतान उत्पन्न करने में सहयोग करते हैं। नर मधुमक्खी मध्यम आकार के होते हैं।

राम बाबू राम (प्रधान शिक्षक)
नव.प्रा.वि. सदाटोल ईमादपुर गढ़पुरा, बेगूसराय(बिहार)

बालमन

एक तरफ से दूसरे तरफ

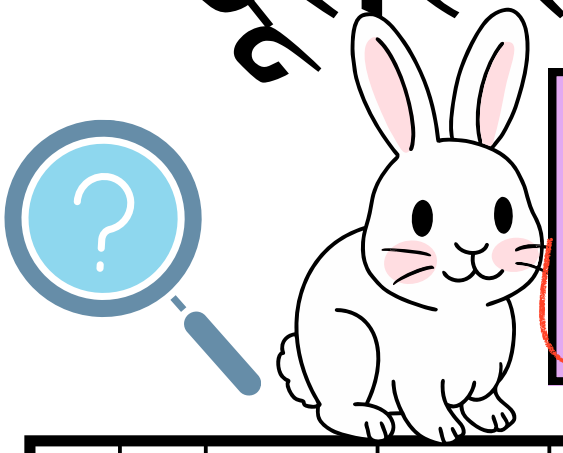

खरगोश को बारी - बारी से तीनों से मिलाने में मदद करे

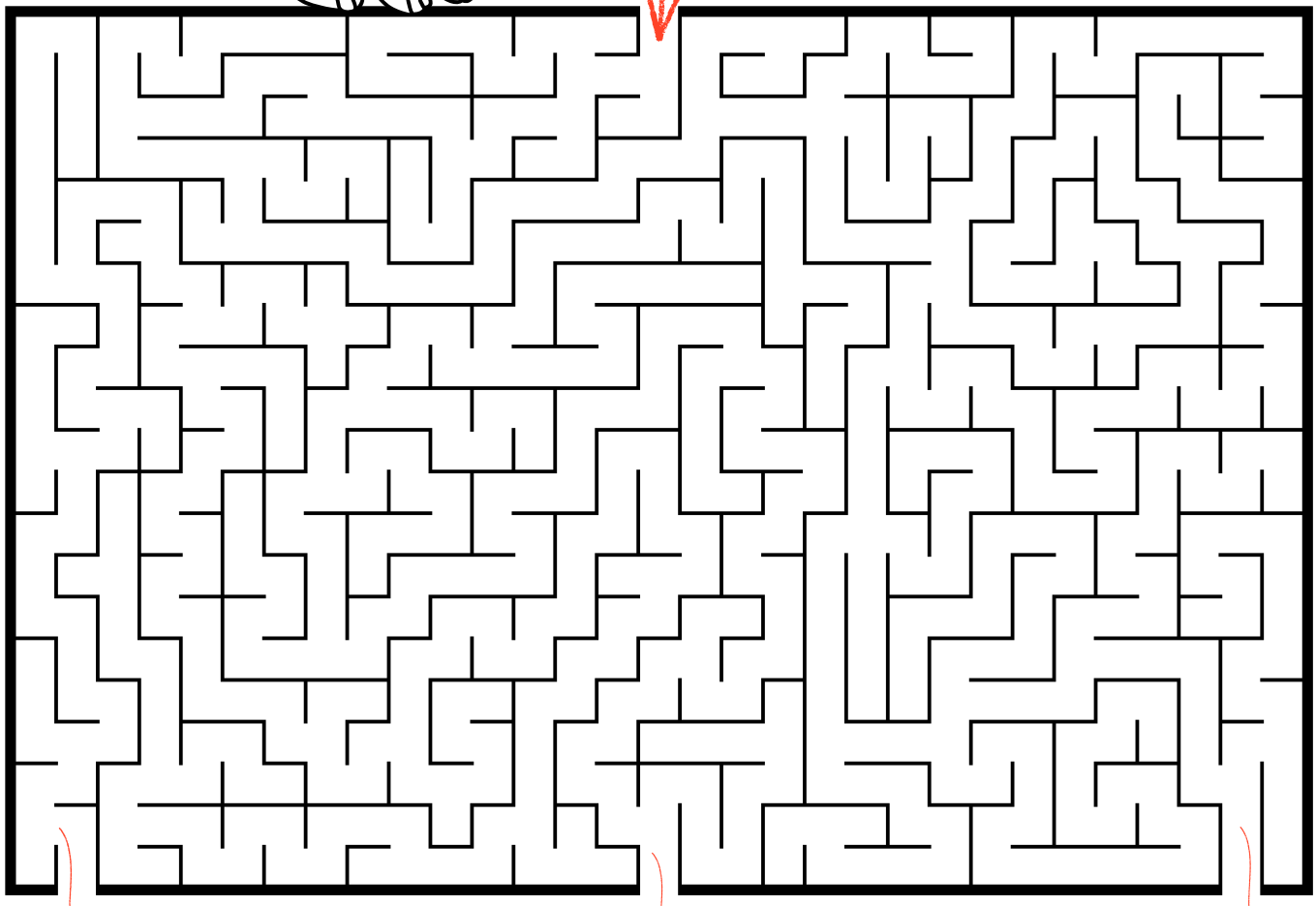

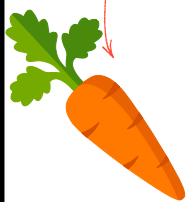

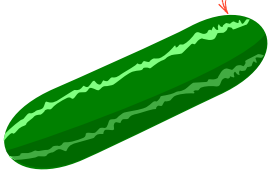

यदि आपको सही रास्ता मिल जाएं तो आप हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

बालमन
आपकी पेंटिंग
भाग 1

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर, मधेपुरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय धनुषी केवटी,दरभंगा

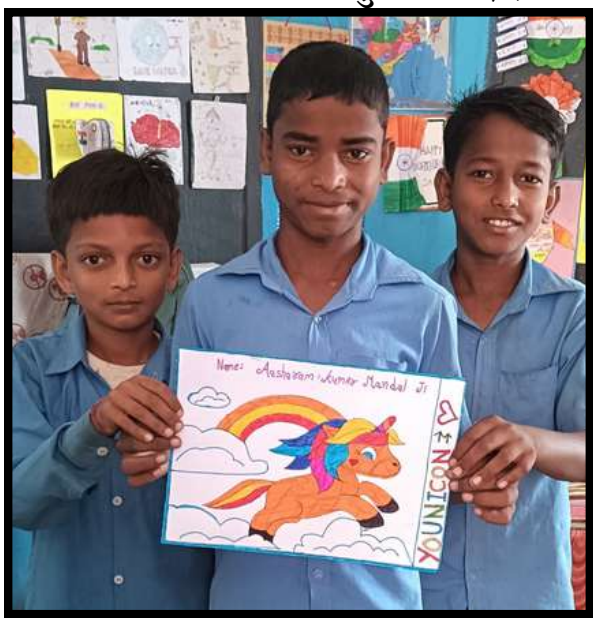

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया , मधुबनी

मध्य विद्यालय बिलौटी प्रखंड शाहपुर जिला-भोजपुर

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर,मधेपुरा

राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा (मुजफ्फरपुर)

राधा कुमारी, वर्ग 7
मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

मृदा (मिट्टी)

मृदा (मिट्टी) पृथ्वी की ऊपरी सतह पर मौजूद असंगठित पदार्थों (खनिजों, कार्बनिक पदार्थों, जल और वायु) का वह प्राकृतिक मिश्रण है जो पौधों को उगाने और पनपने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

मृदा के मुख्य घटक

खनिज पदार्थ (लगभग 45%)
चट्टानों के टूटने-फूटने से प्राप्त खनिज (जैसे रेत, गाद और चिकनी मिट्टी)

जल (लगभग 25%)
जो पौधों की जड़ों को नमी और पोषक तत्व प्रदान करता है।

वायु (लगभग 25%)
मृदा के कणों के बीच खाली स्थानों में मौजूद होती है, जो सूक्ष्मजीवों और जड़ों के श्वसन के लिए जरूरी है।

कार्बनिक पदार्थ (लगभग 5%)
सड़े-गले पौधे और जीव-जंतु, जो मृदा को उपजाऊ बनाते हैं

मृदा के प्रकार (भारत के विशेष संदर्भ में)

उत्पत्ति, रंग, और विशेषताओं के आधार पर भारत में मुख्य रूप से 8 प्रकार की मृदा पाई जाती है।

जलोढ़ मृदा: नदियों द्वारा लाई गई सबसे उपजाऊ मिट्टी
काली मृदा: कपास की खेती के लिए सबसे उत्तम
लाल और पीली मृदा: लोहा ऑक्साइड की अधिकता वाली
लेटराइट मृदा: भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाने वाली
शुष्क/मरुस्थलीय मृदा: कम नमी वाली रेतीली मिट्टी

मृदा का महत्व

मानव भोजन और अन्य कच्चे माल का मुख्य स्रोत कृषि मृदा पर ही निर्भर है।यह पेड़-पौधों, कीड़े-मकोड़ों और सूक्ष्मजीवों का घर है।मिट्टी एक स्पंज की तरह काम करती है जो वर्षा के पानी को सोखकर भूजल स्तर को बनाए रखती है।कुल मिला कर कहे तो मिट्टी जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक हैं।

विलोम शब्द

विलोम शब्द अर्थात "उल्टा" वे शब्द होते हैं जो किसी दूसरे शब्द के ठीक विपरीत अर्थ (विपरीतार्थक) का बोध कराते हैं।इसे 'विरुद्धार्थी' या 'विपरीतार्थक' शब्द भी कहा जाता है।

उदाहरण के लिए: रात का विलोम 'दिन' और अच्छा का 'बुरा' होता है।

विलोम शब्द से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

समान जाति का नियम: नियम के अनुसार, संज्ञा शब्द का विलोम संज्ञा ही होगा, विशेषण का विशेषण, और क्रिया का विलोम क्रिया ही होता है (जैसे: 'अच्छा' [विशेषण] का विलोम 'बुरा' [विशेषण])
उपसर्ग से निर्माण: कई विलोम शब्द मूल शब्द में 'अ', 'अन', 'निर्', या 'अप' जैसे उपसर्ग जोड़कर बनाए जाते हैं (जैसे: सत्य → असत्य, मान → अपमान)।
अर्थ स्पष्टता: विलोम शब्द भाषा को अधिक प्रभावशाली, स्पष्ट और सुंदर बनाते हैं।

कुछ प्रमुख विलोम शब्द

1. दिन - रात	9. बलवान - निर्बल
2. आशा - निराशा	10. अमीर - गरीब
3. सुख - दुःख	11. ज्ञान - अज्ञान
4. प्रेम - घृणा	12. नया - पुराना
5. अच्छा - बुरा	13. स्वतंत्र - परतंत्र
6. धनी - निर्धन	14. काला - सफेद
7. सत्य - असत्य	15. स्वर्ग -नरक
8. शान्ति - अशान्ति	16. पास - दूर

बालमन
आपकी पेंटिंग
भाग 2

करण कुमार वर्ग-5

अदिति कुमारी वर्ग-5

सोनम कुमारी वर्ग-5

NPS खुटौना यादव टोला ,पताही, पूर्वी चंपारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय धनुषी केवटी ,दरभंगा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर, मधेपुरा

प्राथमिक विद्यालय बक्सीडीह फलका, कटिहार

राजकीय मध्य विद्यालय नाथनगर, नगरनिगम, भागलपुर

UMS असलान रामपुर, गड़हनी,भोजपुर

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा (मुजफ्फरपुर)

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा ,कस्बा ,पूर्णिया

बालमन आपकी पेंटिंग भाग 3

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर
सुनिधि, वर्ग 5

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग, सारण

प्राथमिक विद्यालय नावानगर, कोचस, रोहतास

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर, मधेपुरा

UHS सलथुआ कुदरा, कैमूर

मध्य विद्यालय जगजीवन आश्रम, मधेपुरा

प्राथमिक विद्यालय बैरगाछी , कटिहार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया मधुबनी

NAME SUMAN KUMARI CLASS 5
N P S KAKWA MUSHAHRI,ADSARJAMUI

हँसी के हसगुल्ले

हसगुल्ले चाचा

अरविंद कुमार(शिक्षक)
NPS हसनपुरा, भभुआ
(कैमूर)

कमाल का गणित

शिक्षक :- शादी में वर-वधु को 7 फेरे क्यों लगवाये जाते हैं ?
छात्र:- क्योंकि प्रत्येक फेरा 360° का होता है और 360 ऐसी संख्या है जो 1 से 9 तक के अंको में केवल 7 से विभाजित नहीं होती। इसलिए 7 फेरों का सम्बन्ध अविभाज्य है।

छात्र - सर, हमने स्कूल में एक ऐसी चीज़ बनाई है, जिसकी सहायता से आप दीवार के आर-पार देख सकते हैं...
सर (ख़ुश होते हुए) - वाह ! क्या बात है...
क्या चीज़ है वह ?
छात्र - छेद
शिक्षक: (गुस्सा होकर)चलो अब उसी दीवार के छेद के पास खड़े हो जाओ।

परीक्षा में सवाल आया था....
चुनौती किसे कहते हैं?
स्टूडेंट ने पूरा पेपर खाली छोड़ दिया और आखिरी पेज पर लिखा- अगर हिम्मत है तो पास करके दिखाए.....यही चुनौती है।

बालमन

रोचक गणित

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव(कैमूर) बिहार

7- 11- 13 का जादूई नियम

यह एक प्रसिद्ध मानसिक गणितीय युक्ति है जहाँ उत्तर हमेशा आपकी सोची हुई संख्या ही आती है।

अपने मन में कोई भी तीन अंकों की संख्या चुनें (उदाहरण के लिए: 345 इस संख्या को क्रमानुसार 7,11,13 से गुणा करें।परिणाम: जो उत्तर आएगा, वह मूल संख्या को स्वयं से गुणा करने पर प्राप्त होने वाली संख्या होगी (अर्थात मूल संख्या के साथ वह संख्या दो बार लिखी जाएगी, जैसे 345×7×11×13= 345345 , उसी तरह अगर हम 567 संख्या लेते हैं और उसे 7,11,13 से गुणा करते हैं तो परिणाम 567567 होगी।

1 से 100 का योग

प्रसिद्ध गणितज्ञ कार्ल फ्रेडरिक गॉस ने बचपन में ही 1 से 100 तक की संख्याओं का योग सेकंडों में निकाल लिया था। इसका सूत्र होता है n(n+1)/2 (यहाँ n = 100 है, इसलिए 100 (100+1) /2 = 5050 होगा।

अभाज्य संख्याओं का कमाल:

एक अंकों की सभी अभाज्य संख्याओं 2, 3, 5, 7 का गुणा करने पर 210 प्राप्त होता है। जब आप इस संख्या को उल्टे क्रम में लिखते हैं, तो वह 012 हो जाती है।

जादुई संख्या 142857

यदि आप इस संख्या को 1 से लेकर 6 तक किसी भी अंक से गुणा करें, तो उत्तर में हमेशा यही 6 अंक 1, 4, 2, 8, 5, 7 आगे-पीछे होकर आते हैं।

जैसे 142857 × 2 = 285714 ,

142857 × 5 = 714285

जादुई संख्या 108 : भारतीय परंपरा में 108 को बहुत पवित्र माना जाता है। गणितीय रूप से, सूर्य की दूरी ÷ सूर्य का व्यास और पृथ्वी की दूरी ÷ पृथ्वी का व्यास दोनों का मान लगभग 108 होता है।

पेन और पेंसिल आर्ट

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया जिला मधुबनी

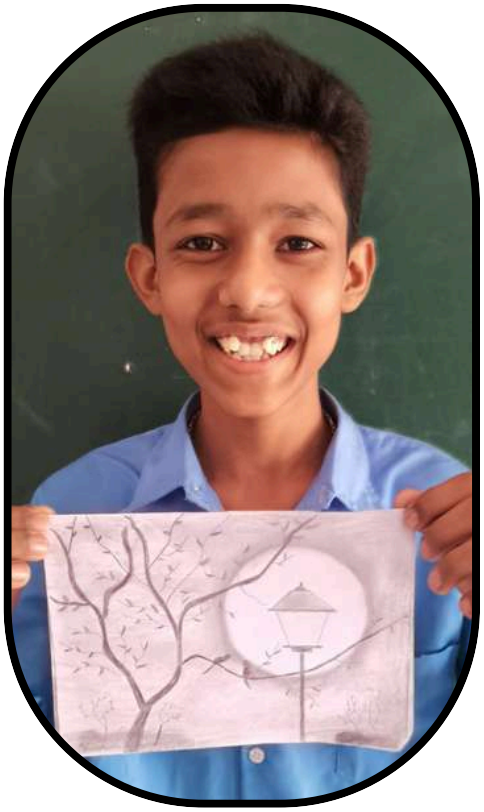

राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर
बोचहा मुजफ्फरपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर मधेपुरा

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

Safe Saturday

stay safe

NPS साहू टोला, बांध के पास जमुनिया चकिया (पूर्वी चंपारण)

राजकीय प्राथमिक मकतब कबई नयाटोल
प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार

मध्य विद्यालय जगजीवन आश्रम, मधेपुरा

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग, सारण

बालमन कार्टून स्टोरी

कांसेप्ट :कुमारी कांति

चींटी ने दिखलाई सफलता की राह

खुद पर आत्मविश्वास हो और कोई कितना भी आपको नकारात्मक राह दिखाए पर यदु आप खुद पर भरोसा रख कर अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक हो कर प्रयन्नशील कोशिश करते रहते है तो एक दिन आपको सफलता जरूर मुक्ति है।

ब्लैक बोर्ड आर्ट

बालमन

मध्य विद्यालय सिमराहा प्रखंड फारबिसगंज
जिला अररिया

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran.

प्राथमिक विद्यालय लखमनपुर ,चैनपुर, कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर
बोचहा (मुजफ्फरपुर)

राजकीय प्राथमिक विद्यालय मकतब कबई
नया टोला, समस्तीपुर

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली
गोपालगंज

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर
मधेपुरा

बालमन कविता

खेलेंगे- किशोर छंद बाल गीत

आज हमारा मन करता है, खेलेंगे।
प्यार मिले जो अपनों का हम, ले लेंगे।।

लुका-छुपी है खेल निराला, आओ तो।
पहले दस तक गिनती पूरी, गाओ तो।।
सभी छुपेंगे एक खोजने, जाओ तो।
कहाँ-कहाँ छुपकर बैठें हैं, पाओ तो।।
खोजें उनको अगर नहीं तो, झेलेंगे।
आज हमारा मन करता है, खेलेंगे।।०१।।

बाहर निकाल कर फिर सबको, लाओ तो।
किसको ढूँढा सबसे पहले, पाओ तो।।
चोर बना उसको खुद छुपने, जाओ तो।
क्रम चलता यह रहे हमेशा, आओ तो।।
खतरे वाली जगह नहीं हम, हेलेंगे।
आज हमारा मन करता है, खेलेंगे।।०२।।

खेल हमेशा लगता हमको, अच्छा है।
हम बच्चों की मस्ती वाली, कक्षा है।।
खेल खेलना हम बच्चों को, भाता है।
आपस में मिल रहना हमको, आता है।।
कभी भूलकर नहीं किसी को, ठेलेंगे।
आज हमारा मन करता है, खेलेंगे।।०३।।

गीतकार:- राम किशोर पाठक
प्रधान शिक्षक
सियारामपुर, पालीगंज, पटना, बिहार

छोटी सी तितली

छोटी सी तितली प्यारी,
रंग-बिरंगी न्यारी।
फूलों पर मंडराती है,
मुस्कान सबको देती है।
नीले, पीले, लाल पंख,
जैसे रंगों का हो दंगल।
धीरे-धीरे उड़ती जाए,
मन को खुशियाँ दे जाए।
फूलों से रस पीती है,
बागों में ही जीती है।
नन्ही सी ये रानी है,
सबकी प्यारी कहानी है।

छात्रा: कायनात प्रवीण
वर्ग –V

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कसबा पूर्णियाँ

गर्मी का अमृत फल बेल

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

आयुर्वेद में बेल को शीतल, ग्राही और बलवर्धक माना गया है। यह विशेष रूप से पित्त और कफ दोष को संतुलित करता है तथा पेट (Stomach), आंत (Intestine) और यकृत (Liver) के कार्य को मजबूत बनाता है। बेल शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालने में मदद करता है और भूख को संतुलित रखता है।

दस्त , पेचिश , अपच, गैस और अम्लता जैसी समस्याओं में बेल का सेवन बहुत लाभकारी माना जाता है। इसके पत्ते हृदय (Heart) और श्वसन तंत्र (Respiratory System) को भी सहारा देते हैं। नियमित और सही मात्रा में उपयोग करने से यह शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है।

आयुर्वेद में बेल को कड़वा, मीठा और कसैला रस वाला माना गया है, जो त्रिदोष – वात, पित्त और कफ को संतुलित करने में सहायक है। इसकी शीतल प्रकृति पित्त और कफ को शांत करती है, यकृत (Liver) को सहारा देती है और पाचन अग्नि (Agni) को बढ़ाती है। परंपरागत रूप से बेल का उपयोग दस्त (Diarrhea), कब्ज (Constipation) और अपच (Indigestion) जैसी समस्याओं में किया जाता है। यह शरीर में स्फूर्ति, चयापचय (Metabolism) और मानसिक स्पष्टता को भी बेहतर बनाता है।

आयुर्वेद के अनुसार, बेल फल के सेवन से सेहत को कई फायदे होते हैं। खासकर, गर्मियों में बेल से बनी चीजें जैसे बेल का शरबत पीने से पेट संबंधित समस्याएं दूर होती हैं।आयुर्वेद में कहा गया है कि बेल का फल ही नहीं, बल्कि इसके पत्ते, छाल, जड़ सभी कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। बेल बाहर से सख्त तो अंदर से सॉफ्ट, रेशेदार गूदों से भरा होते है, जिसमें ढेरों पोषक तत्व मौजूद होते हैं। पेट से लेकर श्वसन संबंधी समस्याओं को ठीक करने के लिए जाना जाता है बेल। बेल के छाल, पत्तों को पानी में उबाल कर पीने से सर्दी, खांसी बुखार आदि ठीक हो सकता है। बेल में मौजूद टैनिन और पेक्टिन डायरिया और पेचिश के इलाज में मदद करते हैं। यह आंतों की सफाई कर पुरानी कब्ज से राहत दिलाता है। इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका शरबत पीने से लू (Heatstroke) से बचाव होता है।

बेल में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो मौसमी बीमारियों से बचाते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करते हैं। इसके एंटी-डायबिटिक गुणों के कारण यह रक्त शर्करा के स्तर को सामान्य बनाए रखने में सहायता करता है।

एक नजर इधर भी...

WOW!

मध्य विद्यालय मसदी पूर्वे, सुलतानगंज(भागलपुर)

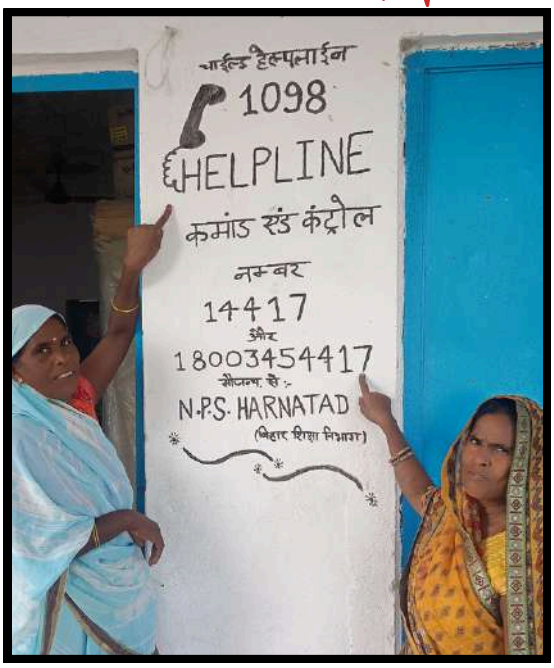

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

राजकीय प्राथमिक मकतब कबई नयाटोल,विद्यापतिनगर,समस्तीपुर

NPS साहू टोला, बांध के पास जमुनिया चकिया (पूर्वी चंपारण)

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, खजांची हाट, पूर्णिया

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर मधेपुरा

प्राथमिक विद्यालय मिर्धाचक आदिवासी टोला कहलगांव, भागलपुर

N.P.S.DEVRI MAHESHPUR KAHALGAON BHAGALPUR

कन्या प्राथमिक विद्यालय अरक, चक्की ,बक्सर

Ms jagjeevan ashram madhepura

NPS SADATOL IMADPUR

कहना जरूरी हैं....

आज हम हरे भरे भूमि क़ो बंजर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हम अपने स्वार्थ में अनेकों तरह से पर्यावरण क़ो नुकसान पहुंचा कर अपना अहित कर रहें हैं। ठीक इसके विपरीत एक अकेला व्यक्ति पर्यावरण और अपने एक बंजर द्वीप क़ो हरा भरा के लिए अथक प्रयास करता है और सफल भी होता है कैसे इसे हमें अवश्य जानना चाहिए।

इंडोनेशिया के एक किसान, सदिमन जिन्हे अक्सर "मबाह सदिमन" (Mbah Sadiman) भी कहा जाता है एक पर्यावरण रक्षक के रूप में ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अकेले एक बंजर पहाड़ी क़ो हरा,-भरा करने की ठान ली थी। इस अद्भुत प्रयास के जिद ने उन्हें पागल सा बना दिया था। वहाँ के लोग उन्हें mad man भी कहते थे।

इंडोनेशिया के जावा (Java) द्वीप के वोनोगिरी (Wonogiri) जिले के रहने वाले 70 वर्षीय किसान सदिमन ने बंजर पहाड़ियों को हरा-भरा करने के लिए 24 वर्षों (1996 से) में अकेले 11,000 से अधिक पेड़ लगाए।

सदिमन ने मुख्य रूप से बरगद और अंजीर (फाइकस) के पेड़ों को प्राथमिकता दी। उनके द्वारा लगाए गए प्रमुख पौधों और पेड़ो में बरगद था क्योंकि बरगद पानी को जमीन में रोकने और सहेज कर रखने में सबसे उत्तम पेंड़ माने जाते हैं तथा दूसरा अंजीर/फाइकस था क्योंकि अंजीर के पेड़ों की जड़ें बहुत गहराई तक जाती हैं और मिट्टी के कटाव को रोकती है।

उनके द्वारा किए गए इस भगीरथ प्रयास का प्रभाव से पानी की समस्या दूर हो गई । इन पेड़ों की जड़ों द्वारा भारी मात्रा में भूजल (groundwater) संरक्षित करने के कारण सूखे इलाके में नई जलधाराएं/झरने फूट पड़े जिससे आज इन झरनों का मीठा पानी पाइपलाइन के जरिए आसपास के कई गांवों के घरों और खेतों (सिंचाई) तक पहुँचता है। सम्मान के तौर पर ग्रामीण अब इन पेड़ों को सुरक्षित और पवित्र मानते है।

सदिमन ने इस प्रकार सूखे और बंजर पहाड़ों को एक घने जंगल में बदल दिया। आज हमारे यहाँ अनेको ऐसे सदिमन /madman/पर्यावरण रक्षक की जरूरत है जिनका साथ हम सभी दें ताकि हम भी अपने देश क़ो बंजर होने से बचा सके और साथ ही साथ पर्यावरणीय संकट के प्रभाव से बच सकें।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

विश्व के धरोहर

भारत की पर्वतीय रेलवे विश्व धरोहर

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जानी जाती हैं। इनमें से तीन प्रमुख रेल प्रणालियों— दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, कालका-शिमला रेलवे और नीलगिरी पर्वतीय रेलवे— को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त है। पुराना, उत्कृष्ट, कार्यात्मक और पहाड़ों का गौरव, भारत का माउंटेन रेलवे देश के सबसे महत्वपूर्ण और मान्यता प्राप्त यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से एक है।

दार्जिलिंग हिमालयी रेलवे में 88.48 किलोमीटर 2 फीट (0.610 मीटर) गेज ट्रैक है जो न्यू जलपाईगुड़ी को दार्जिलिंग से जोड़ता है, जो 2258 मीटर की ऊंचाई पर घूम से गुजरता है। अभिनव डिजाइन में छह ज़िगज़ैग रिवर्स और 1:31 के सत्तारूढ़ ढाल के साथ तीन लूप शामिल हैं।

नीलगिरी माउंटेन रेलवे, एक 45.88 किलोमीटर लंबा मीटर-गेज सिंगल-ट्रैक रेलवे का निर्माण पहली बार 1854 में प्रस्तावित किया गया था, लेकिन पहाड़ी स्थान की कठिनाई के कारण यह काम केवल 1891 में शुरू हुआ और 1908 में पूरा हुआ।नीलगिरी माउंटेन रेलवे तमिलनाडु राज्य में 29 मील (46 किलोमीटर) पहाड़ी इलाके में फैला हुआ है। उत्तर में हिमालयी रेलमार्गों के विपरीत, यह भाप से चलने वाली लाइन दक्षिणी जंगलों के माध्यम से चढ़ती है, जो उधागमंडलम में अपने टर्मिनस की ओर बढ़ती है। इस हिल स्टेशन में, जिसे कभी ऊटीकामुंड या "ऊटी" कहा जाता था,

संकीर्ण गेज कालका शिमला रेलवे, जो लगभग 60 मील (96 किलोमीटर) तक चलता है और लगभग 4,659 फीट (1,420 मीटर) पर चढ़ता है, को 19 वीं शताब्दी के अंत में डिजाइन और निष्पादित किया गया था ताकि भारत के विदेशी शासक राज की ग्रीष्मकालीन राजधानी - शिमला के हिल स्टेशन पर गर्मी से अधिक आसानी से बच सकें। यह लाइन 102 सुरंगों से गुजरती है, जिनमें से सबसे बड़ी 3,750 फीट (1,143 मीटर) लंबी है।

पर्वतीय रेलवे देश का एक ऐसा रेलवे है, जो ना सिर्फ लोगों के यातायात के काम आता है बल्कि पहाड़ों का गौरव भी माना जाता है। इस रास्ते से गुजरने पर आपको ये ट्रेनें अद्भुत पहाड़, सुनहरे झरने और प्राकतिक नजारों का भी परिदृश्य दिखलाती है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव, कैमूर

बोलती तस्वीरें Part 1

धीरज कुमार

जिल्हा परिषद आदर्श शाळा टिटोली, इगतपुरी, नाशिक, महाराष्ट्र

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज (बिहार)

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ, कैमूर, बिहार

Ramodadi primary school
Petlad ji.Anad(Gujrat)

प्राथमिक शाला हरदी ,बिलासपुर छत्तीसगढ़

भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर
दिनाँक 1 जून से 7 जून
राजकीय माध्यमिक विद्यालय अजराना खुर्द, खंड- थानेसर, जिला- कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, त्योंदा, गंजबासौदा जिला विदिशा (मध्य प्रदेश)

बालमन QUIZ TIME ?

१.प्रश्नः योग दिवस कब मनाया जाता हैं?

क. 21 जून ख. 28 मई ग. 28 फरवरी घ. 22 अप्रैल

२.प्रश्नः निम्न में किसे मोतियों का शहर भी कहते हैं ?

क. मुंबई ख. नई दिल्ली

ग. मदुरै घ. हैदराबाद

३.प्रश्नः फीफा विश्व कप किस खेल से संबंधित है?

क. हॉकी ख.फुटबॉल

ग. क्रिकेट घ. टेनिस

४.प्रश्नः"वेदों की ओर लौटे" का नारा किसने दिया था?

क. ईश्वर चंद विद्यासागर ख. राजाराम मोहन राम

ग. दयानन्द सरस्वती घ. स्वामी विवेकानंद

सही उत्तर: १. क, २. घ, ३. ख, ४. ग

बूझो तो जाने

1+4=5

2+5=12

3+6=21

4+7=32

5+8= ?

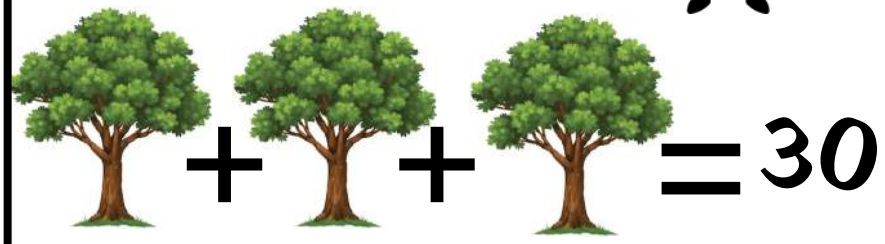

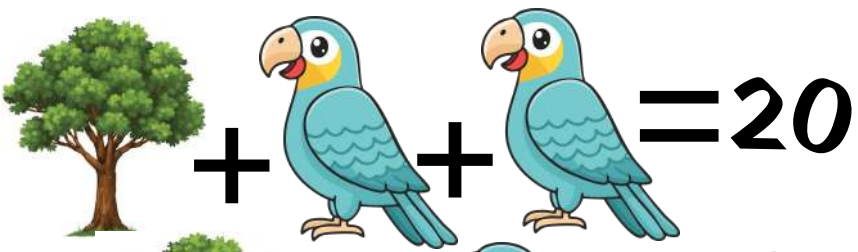

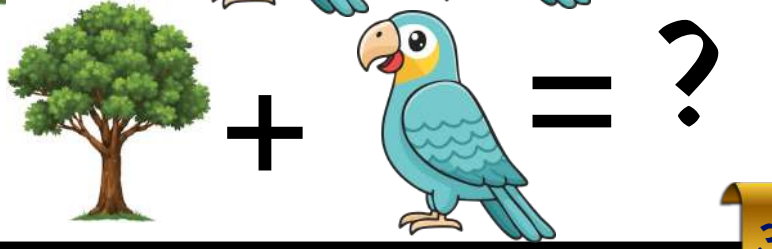

बूझो तो जानें

पहेली संख्या 1

मैं जितना अधिक होता हूं...
उतना कम दिखाई देता हूं।
उत्तर बताने वाला मुझे
अधिक समझदार दिखता है।

उत्तर : अंधेरा

पहेली संख्या 2

काली - काली मां....बच्चे लाल - लाल
जिधर जाए मां.....उधर जाए बच्चे

उत्तर : रेल

पहेली संख्या 3

मैं एक आदमी को दो बना देती हूं।
उसके कमी को मै दिखलाती हूं।

उत्तर : आईना

पहेली संख्या 4

पानी में पीता नहीं पर काम करता हूं
तो पानी निकलता है।
ठंडक पाने को लोग
मेरे नंबर को गिरा देते है।

उत्तर : एसी

बालमन

बोलती तस्वीरें

part 2

पुष्पा प्रसाद +धीरज कुमार

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कसबा पूर्णियाँ

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर, मधेपुरा

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर,बोचहा(मुजफ्फरपुर)

मध्य विद्यालय महेश मुंडा हिन्दी कहलगांव भागलपुर

P. S. Mirdhachak Aadiwasi Tola Kahalgaon, Bhagalpur

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

NPS बलरा दुसाध टोला, बरौली, गोपालगंज

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

Sanskrit .U.M.S Chainpur, KAIMUR

बालमन

बोलती तस्वीरें

पुष्पा प्रसाद

part 3

कन्या मध्य विद्यालय पोहीयार, वैशाली

मध्य विद्यालय जगदीशपुर, भागलपुर

दाऊद छपड़ा, मीनापुर, मुजफ्फरपुर

जिल्हा परिषद आदर्श शाळा टिटोली, इगतपुरी, नाशिक, महाराष्ट्र

मध्य विद्यालय रसीदपुर दियारा, नाथनगर, भागलपुर

मध्य विद्यालय कुआडी, कुर्साकांटा, अररिया

Ramodadi primary school Petlad ji.Anad, Gujarat

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानिकपुर, मधेपुरा

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

उत्क्रमित मध्य विद्यालय संगत टोला, डंडखोरा, कटिहार

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटाड़, भभुआ, कैमूर

NPS बलरा दुसाध टोला बरौली ,गोपालगंज

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय महरैल, मधुबनी

बालमन

चेतना सत्र

मध्य विद्यालय बिलौटी, शाहपुर(भोजपुर)

मध्य विद्यालय जगजीवन आश्रम (मधेपुरा)

राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा (मुजफ्फरपुर)

प्राथमिक विद्यालय देवघर अनुसूचित टोला , भोजपुर

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कसबा पूर्णियाँ

UMS PAITHANPATTI 2 Manjha (Gopalganj)

बालमन स्पेशल दिवस विशेष कविता

मां की बांहे, दुनिया से बड़ी

लहरें थीं ऊँची, गहरा था समंदर,
डरा हुआ था पल, ठहरा था मंजर।
साँसें थमी-सी, उम्मीद भी डोली,
तभी बनी नाव , माँ की वो झोली।

न स्वयं को देखा,न डर को माना,
बस बच्चे को सीने से लगाया।
ममता छाँव,सुरक्षा की पहचान,
माँ है तो हर मुश्किल आसान।

दुनिया साथ दे या न दे कभी,
माँ नहीं छोड़ती, हार नहीं मानती।
थक जाए जो जग,तब भी जो थामे,
वो माँ है — जो हर हाल में थामे।

यह चित्र नहीं, ये सच्चाई है,
माँ की ममता,खुदा की परछाई है।
हर माँ को मेरा शत-शत नमन,
तुमसे ही रोशन है जीवन-आँगन ।

✍️ गोपाल कौशल भोजवाल
नागदा, जिला धार, मध्यप्रदेश

महाराणा प्रताप

अरावली का वीर सपूत,
मातृभूमि का था अभिमान।
शौर्य, त्याग और स्वाभिमान से,
रोशन किया उसने राजस्थान।
घास की रोटी खा ली लेकिन,
झुकना कभी स्वीकार न था।
मातृभूमि की रक्षा खातिर,
उसके मन में हार न था।
हल्दीघाटी गूंज उठी थी,
जब रण में तलवार चली।
दुश्मन के हर वार के आगे,
महाराणा की हुंकार चली।
चेतक जैसा वीर साथी,
जिसने प्राणों का बलिदान दिया।
अपने स्वामी की रक्षा करके,
सच्ची निष्ठा का मान दिया।
आज भी भारत याद करे है,
उस वीर अमर बलिदानी को।
नमन करें हम सब मिलकर,
मेवाड़ के उस स्वाभिमानी को।

विनोद चौरसिया(प्रधान शिक्षक)
प्रा. वि . लखमनपुर, चैनपुर
कैमूर (बिहार)

SMS Spoofing क्या है?

SMS Spoofing एक ऐसा तरीका है, जिसमें साइबर क्रिमिनल किसी असली और विश्वसनीय सोर्स जैसे कि बैंक, सरकारी एजेंसी या ब्रांड का नाम या नंबर दिखाकर फेक मैसेज भेजते हैं।
इन मैसेजेस में आमतौर पर OTP, लिंक या अलर्ट होता है, जो यूजर्स को भ्रमित करके उनके बैंक अकाउंट, डेबिट कार्ड, पासवर्ड या अन्य प्राइवेट जानकारी चोरी करने के लिए बनाया जाता है।
यह मैसेज देखने में बिल्कुल असली लगता है, क्योंकि इसमें भेजने वाले (Sender ID) की जानकारी बदली गई होती है। यानी मैसेज किसी अनजान नंबर से न आकर किसी भरोसेमंद नाम जैसे SBI, IRCTC, PAYTM आदि के नाम से आता है।इसमें यूजर को फेक लिंक पर क्लिक करने के लिए प्रेरित किया जाता है, जिससे उसकी प्राइवेट जानकारी को चुराया जा सके। ऐसा इसलिए क्योंकि जैसे ही वे लिंक पर क्लिक करते हैं, स्कैमर्स को उनके डिवाइस का एक्सेस मिल जाता है।
SMS Spoofing से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि आप सतर्क रहें।कभी भी लिंक पर सीधे क्लिक न करें : अगर कोई लिंक संदिग्ध लगे, तो उसे ब्राउज़र में टाइप करके जांचें।OTP या पासवर्ड किसी से न साझा करें : बैंक, UPI या कोई भी संस्थान आपसे कभी OTP नहीं मांगते।अगर धोखाधड़ी हो जाए तो तुरंत रिपोर्ट करें : अपने बैंक, साइबर क्राइम सेल (www.cybercrime.gov.in) या 1930 हेल्पलाइन पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं।

बालमन

नन्हें रचनाकार

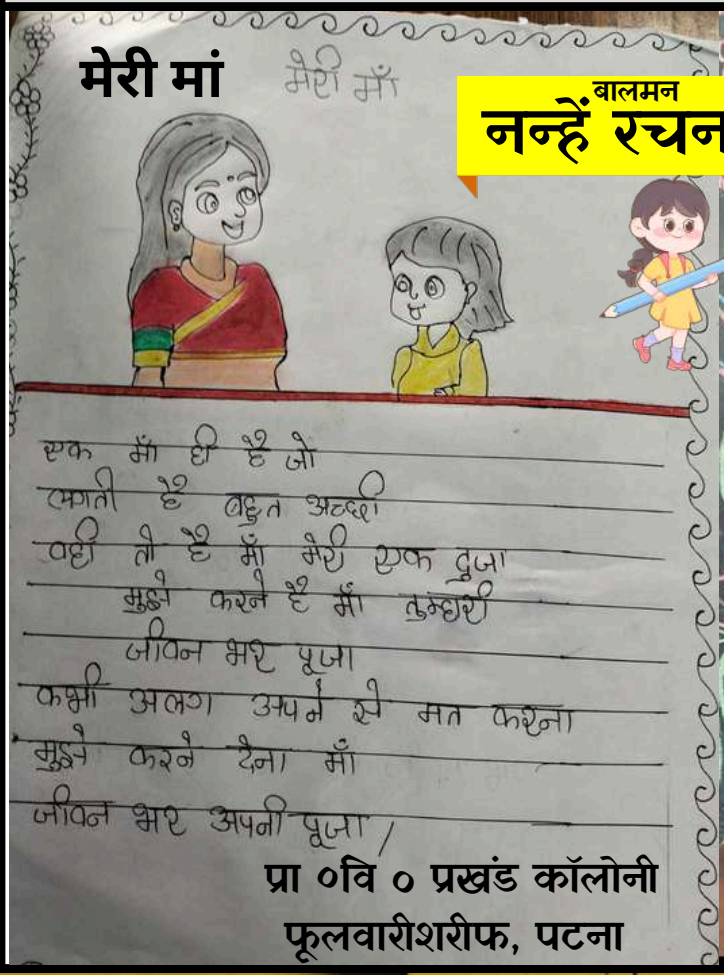

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

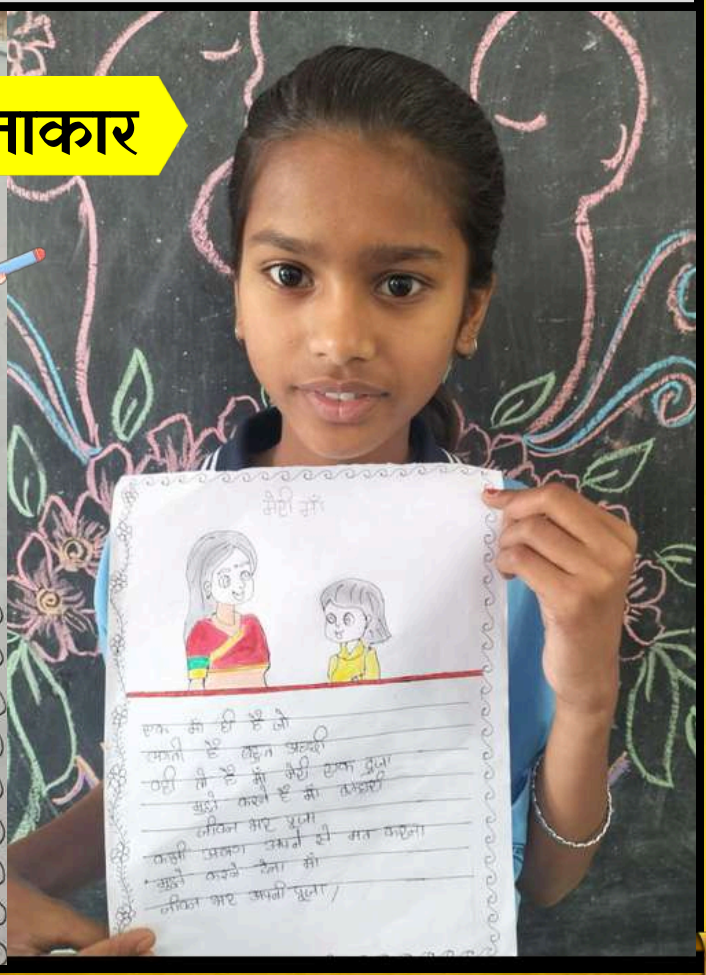

राजगीर चिड़ियाघर सफारी

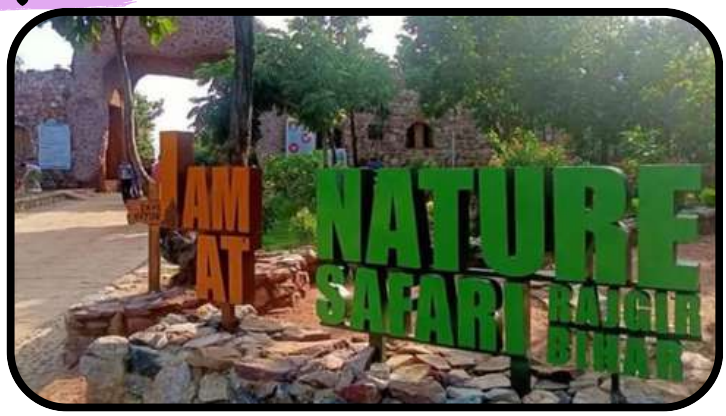

राजगीर चिड़ियाघर सफारी या राजगीर वन्यजीव सफारी, भारत के बिहार राज्य के राजगीर में स्थित एक वन्यजीव सफारी है, जो 16 फरवरी 2022 को जनता के लिए खोली गई थी। वैभवगिरी और सोनगिरी के हरे-भरे पहाड़ों के बीच लगभग 500 एकड़ भूमि में फैले व्यापक जंगलों के बीच राजगीर चिड़ियाघर सफारी का आनंद लिया जा सकता है । उनके समृद्ध आवास में कई जानवरों का सामना करना वास्तव में एक लुभावनी अनुभव देता है। देखने लायक एक शानदार दृश्य, लहरदार प्राचीन झरनों से भरपूर और मनमोहक पार्क थीम और ज़ू सफारी का सुरम्य आकाश-दृश्य। समृद्ध जैव विविधता को देखने और देखने के लिए, हरे-भरे जंगलों को 5 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है जो भारत के सबसे प्रिय जानवरों- शेर, बाघ, तेंदुआ, भालू और शाकाहारी जानवरों को प्रदर्शित करते हैं। भारत की समृद्ध विरासत को प्रदान करने वाले मनमोहक वन्य जीवों की प्रचुरता के साथ और भारत में ऐसी प्रजातियों के बारे में जीवन भर सीखने और जागरूकता फैलाने की शुरुआत करना जो अधिक रूढ़िवादी संरक्षण में सहायता कर सकते हैं और दुनिया भर के लोगों को एक तृप्त और संतुष्टिदायक आनंददायक अनुभव भी दे सकते हैं। इस प्रकार, राजगिरि चिड़ियाघर सफारी सभी वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक समृद्ध और मनोरम अनुभव प्रदान करेगी।

राजगीर चिड़ियाघर सफारी में लगभग 250 से अधिक शाकाहारी और मांसाहारी जानवर देखा जा सकता है, सभी जानवरों को समायोजित करने के लिए पांच पार्क क्षेत्र हैं। इसके अलावा राजगीर वन्यजीव अभयारण्य में एक एवियरी पार्क , एक तितली पार्क, एक व्याख्या केंद्र, एक अभिविन्यास गैलरी, एक 3D थिएटर और एक प्रबंधन अनुभाग है।

राजगीर वाइल्डलाइफ चिड़ियाघर में कुल 3404 किस्म के जानवर देखा जा सकता है, जिस में 185 वन्यजीव विलुप्त होने के कगार पर है और 1010 पालतू पशु की प्रजातियां राजगीर वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में देख सकते हैं।

बिहार के इस पहले जू-सफारी में पर्यटकों की सुविधा का खास ख्याल रखा गया है। पर्यटक शीशे की बंद गाड़ी में सफारी का मजा लेंगे। गर्मी के दिनों में सैलानियों को परेशानी न हो इस वजह सभी गाड़ियाँ एयर कंडीशन हैं। इसके साथ ही पर्यटक यहाँ नेचर सफारी भी देख सकते हैं।

बालमन लघुकथा

गर्मी की छुट्टी

सोमू,तूने गृहकार्य लिख लिया ,अब चल ,घर चलें.निधि ने कहा।

अरे छोड़ ना निधि,आधा अधूरा लिख लिया,मैं तो कोई गृहकार्य नहीं करने वाला,गर्मी की छुट्टी में खुब घुमुँगा फिरूंगा। सोमू घमंड दिखाता हुआ बोला।

अरे नहीं बुद्धु, सुना नहीं बिन्नी मैम ने क्या कहा ?

रोज पढो ,रोज पढो.

अरे रहने दो ,उनका क्या ,वो तो शिमला मनाली घुमेंगीं और स्टोरी लगाएंगी,अपने लोगों को पढने बोलती हैं।सोमू गुस्से से बोला।

तू रह गया बुद्धू का बुद्धु,

अरे उनलोगों ने पहले जमकर पढ़ाई की है ,तभी तो छुट्टियों मजे करती हैं,हमने अगर आज डटकर

मेहनत करी ,तो फिर हम भी बड़े होकर अच्छी नौकरी करेंगें और

मजे करेंगें ,समझ गया.निधि सोमू को समझाते हुए बोली .

हां हां ,मैं समझ गया ,खुब मेहनत करूँगा और फिर मजे करूँगा.

🌴🌴🙂🌴🌴🙂🌴🌴

चंदना दत्त (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय रांटी (मधुबनी)

बालमन कविता

जिंदगी तू पसंद है मुझे

तू पसंद है,
तुझ से जुड़ी हर एक चीज पसंद है मुझे,
वह दिन पसंद है, वह रात पसंद है,
बीते हुए कल का वह खुबसूरत सा एहसास पसंद है।

हर एक आज मे , हर एक कल मे ,
मेरी जिंदगी के हर आने वाले पल मे,
हर रंग के साथ, हर ढंग के साथ,
हां , मूझे तू पसंद है पूरे मन के साथ।

तेरी माजी और मुस्तकिल के साथ,
तेरी इस टूटे हुए ' दिल ' के साथ,
तेरी हर बात के साथ , तूझ से जुड़ी हर उस जज्बात के साथ,
हां मुझे तू पसंद है ।

कुछ बाते थी फूलो जैसी,
कुछ लहजे थी खूशबू जैसी,
सब की जिंदगी बदल गई ,
एक नए सिरे मे ढल गई,

तू मेरे लिए सब से खास है,
एक रूह की तरह मेरे पास है,
तेरे साथ मेरी हर एक मुस्कान है,
हां मुझे हर - हाल मे तू पसंद है।

नाम - अक्स नाज
कक्षा - 12th
ठाकुरगंज (किशनगंज)बिहार

गर्मी में

बालमन कविता

पसीनो पोछौ, फिर आयो
पोछौ पसीनो , फिर आयो।
मुझमें पसीनो या पसीनो मो मैं
मौको ये तनिक समझ न आयो ।।

पानी पियो, फिर प्यासो
पियो पानी, फिर प्यासो ।
बन गयो बड़ों सो तालाब
मेरो पेट में अच्छो खासो ।।

- शरद कुमार वर्मा(शिक्षक)
रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
चारबाग, लखनऊ

आम का पन्ना

आते भई जब गर्मी के दिन
मन को भाता यह हर दिन ।

आम का पना हैं, आम का पना। इसे
पीने से मिले विटामिन ॥

आम के पना का जान लों अर्थ कच्चे
आम का यह हैं शरबत । चावल संग
खाओं मजा आता
लू से हमें बचाकर देता राहत ॥

आम का पना देख उठा नवीन क्योंकि
लगता यह बहुत नमकीन ।

आम का पना हैं, आम का पना मम्मी-
पापा पीते रोज गिलास तीन ।।

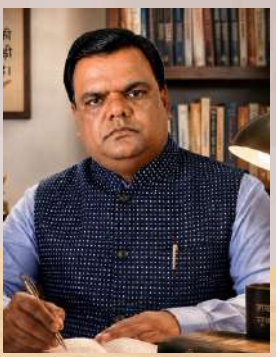

गोपाल कौशल भोजवाल
(शिक्षक)
नागदा,जिला : धार
मध्य प्रदेश

Teacher of Bihar

हिन्दी व्याकरण

• संज्ञा किसे कहते हैं?
उत्तर – किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

• सर्वनाम किसे कहते हैं?
उत्तर – जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।

• क्रिया किसे कहते हैं?
उत्तर – जिस शब्द से किसी कार्य के होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।

• विशेषण किसे कहते हैं?
उत्तर – जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते हैं।

Computer

कंप्यूटर में उपयोग होने वाला "IC" क्या कहलाता है?
उत्तर – Integrated Circuit।

ई-मेल का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – Electronic Mail।

कंप्यूटर वायरस क्या है?
उत्तर – एक हानिकारक प्रोग्राम।

लैपटॉप किस प्रकार का कंप्यूटर है?
उत्तर – पोर्टेबल कंप्यूटर।

MS Word का उपयोग किस लिए किया जाता है?
उत्तर – टाइपिंग और दस्तावेज बनाने के लिए।

जीव विज्ञान प्रश्नोत्तर

1. मनुष्य के शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि कौन-सी है?
उत्तर – यकृत

2. रक्त का लाल रंग किसके कारण होता है?
उत्तर – हीमोग्लोबिन

3. पौधों में जल का परिवहन किसके द्वारा होता है?
उत्तर – जाइलम

4. मानव शरीर की सबसे छोटी हड्डी कौन-सी है?
उत्तर – स्टेप्स

5. श्वसन के लिए मनुष्य कौन-सी गैस लेता है?
उत्तर – ऑक्सीजन

6. हरे पौधे अपना भोजन कहाँ बनाते हैं?
उत्तर – पत्तियों में

7. मानव हृदय में कितने कक्ष होते हैं?
उत्तर – चार

8. विटामिन C का प्रमुख स्रोत क्या है?
उत्तर – आंवला और नींबू

9. शरीर का कौन-सा अंग रक्त को शुद्ध करता है?
उत्तर – गुर्दा

10. जीवों के वैज्ञानिक अध्ययन को क्या कहते हैं?
उत्तर – जीव विज्ञान

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

Q: परमाणु बम बनाने वाला पहला देश कौन सा था?
A: अमेरिका - 1945 में हिरोशिमा-नागासाकी पर गिराया

Q: भारत ने पहला परमाणु परीक्षण कब और कहाँ किया?
A: 18 मई 1974 को पोखरण, राजस्थान में - ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा

• "सत्यमेव जयते" कहाँ से लिया गया है?
उत्तर – मुण्डक उपनिषद

• भारत का राष्ट्रीय ध्वज किसने बनाया था?
उत्तर – पिंगली वैंकैया

• मानव शरीर में हृदय का क्या कार्य है?
उत्तर – रक्त पंप करना

• विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है?
उत्तर – माउंट एवरेस्ट ।

Pooja Ojha
Head Teacher
GPS Arak, Buxar

बालमन कहानी

एक अजनबी

एक दिन की बात है, मैं स्कूल जा रही थी। रास्ते में मुझे एक बूढ़े व्यक्ति साइकिल से जाते हुए दिखे। उन्होंने मुझे देखकर कहा, "बेटी अच्छे से स्कूल जाना"मैंने उन्हें अपरिचित समझ , उनकी बात का कोई जवाब नहीं दिया।

दूसरे दिन मुझे फिर वही बूढ़े व्यक्ति मिले। उन्होंने फिर से मुस्कुराकर कहा, "बेटी अच्छे से स्कूल जाना"

इस बार भी मैं चुप रही और उनकी बात का कोई जवाब नहीं दिया,लेकिन मुझे थोड़ा अजीब लगा। मैं सारा दिन उन्हीं वृद्ध व्यक्ति के बारे में सोचती रही !

तीसरे दिन जब उन्होंने फिर वही शब्द दोहराए, तो मैंने बिना चाहे भी धीरे से जवाब दिया, "जी ठीक "

यह सुनकर उनके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान आ गई। उनकी मुस्कान देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा।

लेकिन चौथे दिन जब मैं स्कूल जा रही थी, तो मैं उन्हें पूरे रास्ते ढूँढती रही, पर वे कहीं नहीं मिले।

उस दिन के बाद मैं रोज़ उन्हें रास्ते में ढूँढती थी, लेकिन वे मुझे फिर कभी नहीं दिखे।

आज भी जब मैं उस रास्ते से गुजरती हूँ, तो मुझे उनकी मुस्कान और उनकी बात याद आती है। तब मुझे एहसास होता है कि कभी-कभी छोटी-छोटी बातें भी हमारे दिल में हमेशा के लिए बस जाती हैं।

- महक तिवारी
कक्षा 12
ए पी सेन मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज,
चारबाग, लखनऊ(उत्तर प्रदेश)

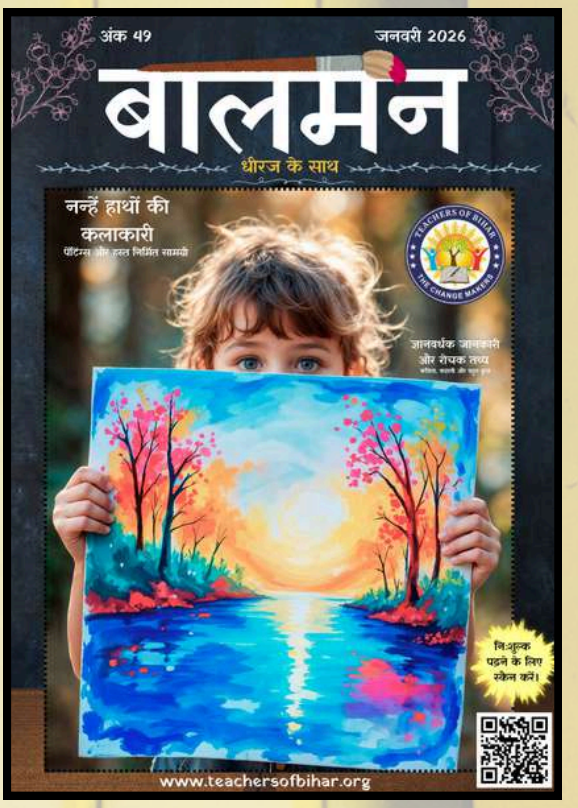

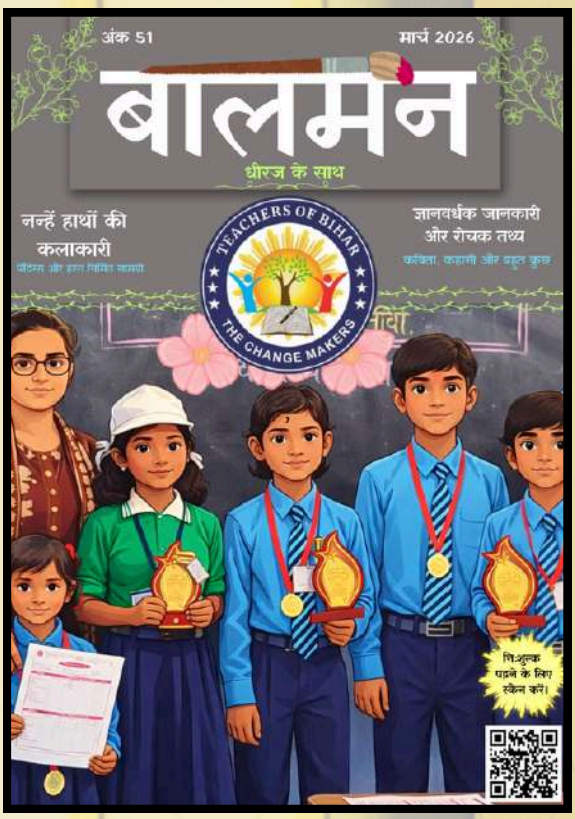

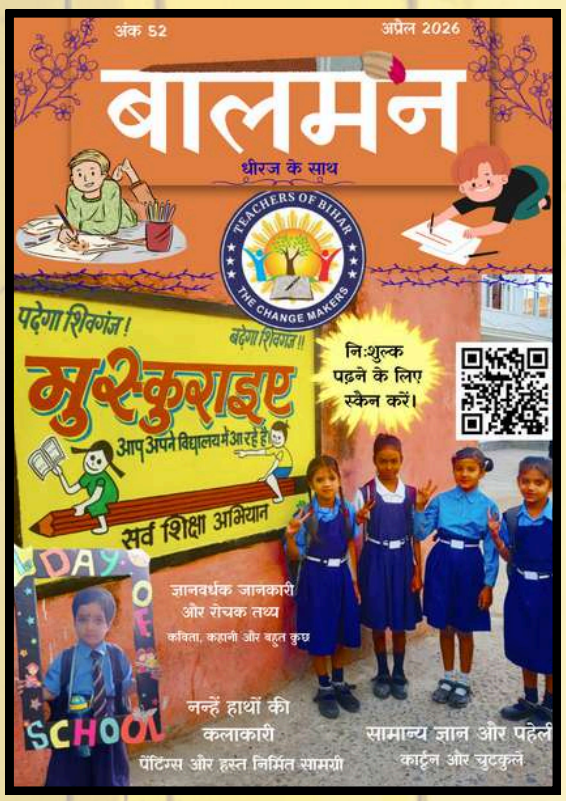

जनवरी से अप्रैल 2026 तक की बालमन पत्रिका पढ़ने के लिए दिए गए पत्रिका के कवर पेज पर क्लिक करे।

Teachers of Bihar: +917250818080
Dhiraj Kumar : +91 9431680675
teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे।

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।